



# राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय : 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर-302001  
संरक्षक : सर्वश्री नानक कुन्दनानी, संतोष चन्द्र सुराणा, श्यामसुन्दर शर्मा, चौथमल सनाढ्य, राजनारायण शर्मा  
(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I. & RRKM)

प्रहलाद शर्मा अध्यक्ष मो. 94140-56109	देवलाल गोचर सभाध्यक्ष मो. 94144-03756	अरविन्द व्यास महामंत्री मो. 94143-96596
---	---	---

## प्रेस विज्ञप्ति

### जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन में राजनेताओं को नहीं बुलाने का निर्णय

जयपुर 25 सितम्बर 2018। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) द्वारा प्रदेश स्तर पर दिनांक 10 सितम्बर 2018 से 25 सितम्बर 2018 तक 16 दिवस का क्रमिक धरना शिक्षा संकुल, जयपुर पर दिया गया। धरने के दौरान सरकार द्वारा किसी स्तर पर भी संवाद नहीं करते हुए संगठन के साथ कोई वार्ता नहीं करने से सम्पूर्ण शिक्षक समाज में भारी आक्रोश है।

जिलाध्यक्ष.....ने बताया कि 25 सितम्बर को आयोज्य प्रदेश स्थायी समिति की बैठक में सरकार की असंवेदनशीलता एवं हठधर्मी व्यवहार के कारण निर्णय लिया गया कि आगामी 28-29 सितम्बर 2018 को आयोज्य जिला शैक्षिक सम्मेलन में किसी भी राजनेता को आमन्त्रित नहीं किया जायेगा। 2 अक्टूबर 2018 को गांधी जयंती को जयपुर में गांधी प्रतिमा के समक्ष प्रदेश के सभी जिलों से आये हजारों शिक्षकों द्वारा अहिंसात्मक तरीके से उपवास कर सरकार की संवेदनहीनता का विरोध किया जायेगा। इसके उपरान्त भी सरकार द्वारा सकारात्मक कदम नहीं उठाया तो संगठन द्वारा सभी जिलों में शिक्षकों के मध्य जाकर सरकार के शिक्षा व शिक्षक विरोधी निर्णयों की जानकारी देकर जन-जागरण का अभियान संचालित किया जायेगा।

जिलामंत्री..... ने जानकारी दी कि संगठन द्वारा सभी श्रेणी के शिक्षकों की वेतन विसंगति, पुराने पेंशन लागू करने, काउन्सिलिंग प्रक्रिया में समस्त रिक्त पद सात दिवस पूर्व दर्शाने, पंचायत राज मद के शिक्षकों को कोषालय द्वारा वेतन भुगतान करने, शेष रहे पैराटीचर्स, संविदाकर्मी को प्रबोधक बनाने व प्रबोधकों की पदोन्नति करने, विद्यालय समय को पूर्व की भांति रखने एवं संगठन को मान्यता प्रदान करने आदि प्रमुख मांगों सहित संगठन के प्राथमिक, माध्यमिक व संस्कृत शिक्षा के विभिन्न मांगों को लेकर 30 जुलाई 2018 को उपशाखा स्तर एवं 10 अगस्त 2018 को जिला स्तर तथा उसके पश्चात् प्रदेश स्तर पर धरना प्रदर्शन कर सरकार को ज्ञापन दिया गया था। तत्पश्चात् भी सरकार द्वारा किसी प्रकार का सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं अपनाया गया। इससे शिक्षकों में व्याप्त असंतोष के कारण संगठन ने उपरोक्त निर्णय लिये है।

सादर प्रकाशनार्थ :-

(.....)  
जिलामंत्री